WHISPERS IN THE CORRIDORS

डॉ. सुरेश मेहरोत्रा .COM

नईदुनिया से विशेष अनुबंध के तहत

राजनीतिक, प्रशासनिक व कॉर्पोरेट जगत की खबरें

राजनीतिक

- **क्या मोदी-शाह और अधिक आक्रामक रुख अपनाएंगे?**

मौजूदा हालात को देखते हुए यह माना जा रहा है कि आगामी चुनावों में मोदी-शाह की जोड़ी और भी आक्रामक रुख अपनाएगी। क्या भारतीय राजनीतिक इतिहास में 2014 जैसा दौर फिर से लौटेगा?

- **क्या मुख्यमंत्री डीकेएस मंत्रिमंडल विस्तार के बीच पनप रहे असंतोष को नियंत्रित करने में सक्षम होंगे?**

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के हालिया मंत्रिमंडल विस्तार के बाद कर्नाटक कांग्रेस गंभीर आंतरिक कलह का सामना कर रही है, जिससे प्रमुख क्षेत्रीय गुटों में व्यापक असंतोष फैल गया है। हालांकि शीर्ष नेतृत्व ने विधायकों यशवंतरायगौड़ा पाटिल और बेलूर गोपालकृष्ण के शुरुआती विरोध को अस्थायी रूप से शांत करने में कामयाबी हासिल कर ली है, लेकिन कई वरिष्ठ विधायक अपनी मांगों पर अडिग हैं। विशेष रूप से, वरिष्ठ विधायक एम. कृष्णप्पा और अन्य प्रमुख नेता मंत्री पदों के लिए आक्रामक रूप से दबाव बना रहे हैं, जिससे सत्तारूढ़ दल के भीतर आंतरिक राजनीतिक उथल-पुथल काफी बढ़ गई है।मौजूदा तनाव के बेकाबू होने और सरकार की एकता को कमजोर करने के खतरे को भांपते हुए, कांग्रेस उच्च कमान ने बुधवार को एआईसीसी महासचिव रणदीप सुरजेवाला को बेंगलुरु भेजकर तुरंत हस्तक्षेप किया। उनका प्राथमिक दायित्व है कि वे नाराज सांसदों से सीधे बातचीत करें, तत्काल संकट प्रबंधन वार्ता आयोजित करें, प्रमुख राजनीतिक शिकायतों का समाधान करें और पार्टी की एकता बहाल करें।

- **क्या पंजाब चुनावों के लिए भाजपा अकाली दल के साथ गठबंधन करेगी?**

शनिवार को चंडीगढ़ में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक के बाद, शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने महिला आरक्षण विधेयक को तत्काल लागू करने की मांग की। अपनी मांग के पीछे की भावना को रेखांकित करते हुए, बादल ने सिख गुरुओं की शिक्षाओं का हवाला दिया, जिन्होंने लैंगिक समानता, गरिमा और महिलाओं के समान अधिकारों का समर्थन किया। X से बात करते हुए बादल ने कहा, 'शिरोमणि अकाली दल ने आज चंडीगढ़ में अपने वरिष्ठ नेताओं की बैठक में देश में महिला आरक्षण विधेयक को तत्काल लागू करने की मांग की।' यह निर्णय संसद के समक्ष लंबित प्रमुख विधायी मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद लिया गया। यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद में बादल से मुलाकात करने के एक दिन बाद सामने आया है, जिससे 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए संभावित एसएडी-भाजपा गठबंधन को लेकर तीव्र राजनीतिक अटकलें शुरू हो गई हैं।

- **राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ पद के लिए 18 उम्मीदवारों की सूची बनाई**

राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ के महत्वपूर्ण पद के लिए साक्षात्कार 11 और 12 अगस्त को आयोजित किए जाएंगे। कुल मिलाकर 18 लोगों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आय-आधारित 'क्रीमी लेयर' व्यवस्था को खारिज कर दिया। केंद्र सरकार ने एससी और एसटी आरक्षण कोटा के भीतर आय-आधारित 'क्रीमी लेयर' अपवर्जन को लागू करने की मांग वाली सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिकाओं का कड़ा विरोध किया है।

प्रशासनिक

- **अरुणाचल प्रदेश : राज्य के सबसे युवा कलेक्टर**

आईएएस यशस्विनी बी, जो 2020 बैच की एजीएमयूटी कैडर अधिकारी हैं और वर्तमान में पूर्वी कामेंग की उपायुक्त के पद पर कार्यरत हैं, और आईएएस कुणाल यादव, जो 2021 बैच के एजीएमयूटी कैडर अधिकारी हैं और वर्तमान में लोंगडिंग के उपायुक्त के पद पर कार्यरत हैं, अरुणाचल प्रदेश राज्य के सबसे युवा कलेक्टर हैं। दोनों का जन्म वर्ष 1995 में हुआ था।

- **क्या न्यायमूर्ति कोग्जे मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश बनेंगे?**

गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अल्पेश वाई. कोगजे को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का नया मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की संभावना है। बॉम्बे उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश का नाम भी चर्चा में है। आधिकारिक घोषणा होने तक इंतजार करना होगा।

- **सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पटना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव के नाम की सिफारिश**

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव को पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की है।

- **जस्टिस कृष्ण राम महापात्रा को छत्तीसगढ़ एचसी में स्थानांतरित करने की सिफारिश**

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस कृष्ण राम मोहपात्रा को उड़ीसा हाई कोर्ट से छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में स्थानांतरित करने की सिफारिश की है।

- **न्यायमूर्ति रविंद्र वी. घुगे को कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश**

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रविंद्र वी. घुगे को कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की है।

- **जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी को बॉम्बे हाई कोर्ट मुख्य न्यायाधीश नामित करने की सिफारिश**

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी को बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की है।

- **जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश**

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की है।

- **जस्टिस मानस रंजन पाठक को गुजरात हाई कोर्ट में स्थानांतरित करने की सिफारिश**

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस मानस रंजन पाठक को उड़ीसा हाई कोर्ट से गुजरात हाई कोर्ट में स्थानांतरित करने की सिफारिश की है।

- **आईएएस एजीएमयूटी कैडर के 36 अधिकारियों को संशोधित बैच प्रदान किए गए**

आईएएस के एजीएमयूटी कैडर से संबंधित एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने 36 अधिकारियों को संशोधित आईएएस बैच आवंटित किए हैं। परिणामस्वरूप, कई अधिकारियों को एक अतिरिक्त वर्ष की वरिष्ठता का लाभ मिला है। यह घटनाक्रम डीएएनआईसीएस अधिकारी कृष्ण कुमार दहिया द्वारा दायर सफल न्यायिक चुनौती के बाद हुआ है। इस मामले में डीओपीटी का रुख मान्य नहीं हुआ, जिससे संशोधित बैच आवंटन के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त हुआ।

घबराइए मत, कराएंगे हर समस्या का समाधान : योगी आदित्यनाथ

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार शाम गोरखपुर आए। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद सोमवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। समस्या लेकर आए सभी लोगों की ध्यान से बात सुनी। उनके प्रार्थना पत्र लिए और आत्मीयता से बोले, 'घबराइए मत, आपकी समस्या का समाधान जरूर कराया जाएगा।'

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं।

सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। अपनत्व के भाव से 'कहां से आए हैं, क्या बात है', कहते हुए एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए।

गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए देंगे पर्याप्त आर्थिक सहायता : जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता का अनुरोध लेकर पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा देते हुए कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। सरकार पर्याप्त आर्थिक सहायता देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए धनराशि दी जाएगी।

मंदिर की गोशाला में सीएम योगी ने की गोसेवा : गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही।

शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। उन्होंने मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गोशाला में योगी ने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

काशी विश्वनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब

सावन का दूसरा सोमवार, चहुंओर महादेव की जय-जयकार

वाराणसी। सावन माह के दूसरे सोमवार पर उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी) में चंहुओर कंकर-कंकर शंकर का भाव दिख रहा है। केशरियामय हुई शिवनगरी में बाबा श्री विशेशर (श्रीकाशी विश्वनाथ) के स्वर्णमंडित दरबार में पूरे श्रद्धाभाव से पावन ज्योतिर्लिंग पर आस्था की अखंड जलधार गिर रही है। सावन के दूसरे सोमवार पर सोम प्रदोष व्रत, बुधादित्य राजयोग, वज्र और सिद्धि योग समेत कुल सात दुर्लभ शुभ संयोग में शिवभक्त बाबा का झांकी दर्शन और जलाभिषेक कर आह्लादित है। पूरा धाम परिसर श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव, काशी विश्वनाथ शंभों के गगनभेदी कालजयी उद्घोष से गुंजायमान है।

दूसरे सोमवार पर परम्परानुसार शाम को मंदिर के गर्भगृह में बाबा का गौरी शंकर (शंकर पार्वती) शृंगार होगा। इसके पहले दरबार में दर्शन पूजन के लिए लाखों शिवभक्त रविवार शाम से ही बैरिकेडिंग में कतारबद्ध होने लगे। भोर में मंदिर के गर्भगृह में मंगला आरती के बाद मंदिर का पट खुला तो कतारबद्ध श्रद्धालुओं पर मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ विश्वभूषण मिश्र के नेतृत्व में अफसरों ने गुलाब की पंखुड़िया बरसाई। आदर से आह्लादित शिवभक्त रेड कार्पेट पर चलकर बाबा के पूजन के लिए दरबार में पहुंचते रहे।पूरे दिन और देर शाम तक यहीं क्रम अनवरत बना रहेगा। मंदिर न्यास के अनुसार,दूसरे सोमवार को दरबार में आस्था,भक्ति और उल्लास का माहौल है। दरबार में ज्योतिर्लिंग पर बाहर बने पात्र से जलाभिषेक कर आह्लादित भाव से श्रद्धालु बाबा के झांकी दर्शन के बाद काशी विश्वनाथ धाम के भव्य और नव्य विस्तारित स्वरूप को देख मुक्त कंठ से इसकी प्रशंसा करते रहे।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट से घाट जाना हुआ प्रभावित

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : सावन के द्वितीय सोमवार को वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ के दर्शन पूजन के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का गंगा घाटों पर पहुंचकर काशी नगरी का आनंद लेने पहुंचे। लेकिन गंगा नदी के बढ़े जलस्तर के कारण एक घाट से दूसरे घाट जाने का पैदल संपर्क अवरुद्ध (पानी में डूबे) होने से श्रद्धालुओं का पर्यटन पूरी तरह से प्रभावित दिखा। श्रद्धालु केवल घाट किनारों से गंगा की लहरों का लुत्फ लेकर और पवित्र गंगा जल की भर कर ही वापस हो गए। वहीं कुछ श्रद्धालु कठिनाइयों के साथ जल से भरे घाटों (घुटने तक भरे पानी) पर जोखिम के बीच घूमते दिखे। बिहार के रोहतास जिले से आए श्रद्धालु आलोक पांडेय और उनके परिजन ने बताया कि वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन के बाद वे सभी घाटों पर घूमने आए थे लेकिन गंगा नदी का जल ऊपर की सीढ़िया तक आ जाने के कारण वे सिर्फ जल भरकर वापस जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने गंगा मैया की आरती कर दीपक जलाकर प्रार्थना की। लेकिन उनके मन में घाटों को घूमने की जिज्ञासा अधूरी ही रहे गई। चंदौली जनपद से आए मयंक और उनके साथियों ने बताया कि गंगा नदी के जलस्तर बढ़ने से कई घाटों का संपर्क टूट गया है। फिर भी वे घाटों पर घूमते हुए मौसम का आनंद ले रहे हैं। अभी भभुआ पाण्डेय घाट से घूमते हुए वे अहिल्याबाई घाट और शीतला घाट तक पहुंचे हैं।

शिवमय हुई संगम नगरी

हर-हर महादेव की गूंज के बीच शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, प्रयागराज : श्रावण मास के दूसरे सोमवार को विश्व प्रसिद्ध संगमनगरी पूरी तरह शिवमय नजर आई। भोर होते ही गंगा-यमुना के संगम क्षेत्र से लेकर शहर और ग्रामीण अंचलों तक स्थित प्राचीन शिवालयों में श्रद्धालुओं की कतार लग गई। हर ओर 'हर-हर महादेव', 'बम-बम भोले' के जयघोष सुनाई दिए। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, धतूरा, पुष्प और दूध अर्पित किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि और लोककल्याण की कामना की।

संगमनगरी के प्रमुख शिवधामों में श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर, सोमेश्वर महादेव मंदिर, कोटेश्वर महादेव मंदिर, नागवासुकी मंदिर, दशाश्वमेध महादेव मंदिर, तक्षक तीर्थ मंदिर, पड़िला महादेव मंदिर, भारद्वाजेश्वर महादेव मंदिर सहित शहर के विभिन्न शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चन और रुद्राभिषेक का क्रम चलत रहा है।

मनकामेश्वर में उमड़ी श्रद्धा : यमुना तट के निकट स्थित प्राचीन मनकामेश्वर महादेव मंदिर में दूसरे सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भक्तों ने कतारबद्ध होकर भगवान शिव का दर्शन कर रहे हैं। मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। सावन में मंदिर प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और व्यवस्थित दर्शन के लिए विशेष प्रबंध किया है।

गंगा तट के शिवधामों में विशेष आस्था : दारागंज क्षेत्र स्थित नागवासुकी और तक्षक तीर्थ में भी श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन किया। गंगा तट से जुड़े इन प्राचीन धार्मिक स्थलों पर सावन सोमवार का विशेष महत्व माना जाता है। वहीं गंगा तट के निकट स्थित कोटेश्वर महादेव में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए भक्त पहुंचे। मान्यता है कि इस प्राचीन शिवधाम का संबंध भगवान श्रीराम से है।

नैनी के सोमेश्वर महादेव मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ रही। भक्तों ने भगवान शिव का अभिषेक कर विधि-विधान से पूजा की। शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित पड़िला महादेव समेत अन्य प्राचीन शिवालयों में भी आस्था का वातावरण रहा। प्रयागराज में सावन के दूसरे सोमवार को मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतार लगी हुई है और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता इंतजाम किया गया है।

राज्यपाल ने अवध विवि में मियावाकी वन समेत कई कार्यों का किया लोकार्पण

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, अयोध्या : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में विकास कार्यों को गति देते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने नवीन परिसर में विशेष रूप से तैयार किए गए मियावाकी वन , ई.डी.पी. बेसमेंट तथा 11 केवी विद्युत सब-स्टेशन का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने नवीन परिसर में चल रहे समस्त निर्माण एवं विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों व निर्माण संस्थाओं के प्रतिनिधियों से प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। पर्यावरण संरक्षण और हरित परिसर की दिशा में स्थापित मियावाकी वन कुल 32,000 वर्ग फीट क्षेत्र में निर्मित किया गया है। इसमें भ्रमण हेतु लगभग एक किलोमीटर लंबा घुमावदार मार्ग तैयार किया गया है। जैव विविधता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस सघन वन में 1100 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए हैं।

अधिवक्ताओं ने पुष्पवर्षा कर किया तिरंगा यात्रा का स्वागत

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सोमवार को गोरखपुर में निकाली गयी तिरंगा यात्रा के कलेक्ट्रेट चौराहे पहुंचने पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री एवं तिरंगा यात्रा का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से वातावरण राष्ट्रभक्ति से गूंज उठा। कलेक्ट्रेट चौराहे पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक अमिताभ त्रिपाठी अटल एवं क्षेत्रीय सह संयोजक अजय गुप्ता बजरंगी एडवोकेट के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष केडी पाठक, प्रियानंदन सिंह, अनादि मिश्रा, अजीत शाही, विवेक सरकारी, अभयनंदन त्रिपाठी, अजिता पांडे, सचिन द्विवेदी, शरदेन्दु प्रताप सिंह, जय नाथ यादव, हरिश्चंद्र मौर्य, धर्मेंद्र मिश्रा, बृजेश सिंह, अभय कुमार गुप्ता, आदर्श पांडे, प्रमोद मौर्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

तिरंगे के सम्मान में निकली यात्राएं, शहर से ग्रामीण क्षेत्रों तक गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, अयोध्या : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत अयोध्या में राष्ट्रभक्ति का माहौल नजर आया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग यात्रा में शामिल हुए और भारत माता के जयकारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया।

करियप्पा मंडल की तिरंगा यात्रा रिकाबगंज चौराहे से प्रारंभ होकर नियावां तक गई। यात्रा में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही के साथ विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। यात्रा के दौरान सड़क के दोनों ओर लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। पूराबाजार में तिरंगा यात्रा ब्लॉक मुख्यालय से शुरू होकर पुलिस चौकी तक पहुंची। यात्रा की अगुवाई विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह ने की। ग्रामीण क्षेत्र में यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में उत्साह दिखाई दिया। इसके अलावा वीर शहीद अब्दुल हमीद वार्ड, चित्रगुप्त वार्ड सहित शहर के करीब दो दर्जन वार्डों में भी तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। विभिन्न मार्गों पर भारत माता के जयकारे और राष्ट्रभक्ति के नारों के बीच कार्यकर्ताओं ने लोगों को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने का संदेश दिया। इस मौके पर सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि तिरंगा देश की एकता और गौरव का प्रतीक है। हर नागरिक को इसके सम्मान और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का संकल्प लेना चाहिए। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि तिरंगा यात्रा युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक घर तक राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाना है। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में शहर से लेकर गांव तक तिरंगे के सम्मान में उत्साह दिखाई दे रहा है।

रिकाबगंज से निकली यात्रा का संयोजन करियप्पा मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर ने किया। यात्रा में जिला पंचायत प्रशासक प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, शक्ति सिंह, युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हर्षवर्धन सिंह, चन्द्र प्रकाश गुप्ता, अमल गुप्ता, मनोज जायसवाल, शैलेन्द्र कोरी, परमानंद मिश्र, तिलकराम मौर्या, बाल कृष्ण वैश्य, शशिप्रताप सिंह, हरभजन गौड, रीना द्विवेदी, गरिमा मौर्या, शिवम शुक्ला, विकास सिंह, स्मृता तिवारी, पूरा बाजार की यात्रा में अरविंद सिंह मौजूद रहे।

आपका राशिफल 11 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8